Under CSR Support by ipca | Foundation

ARJUN BATCH

CLASS 11th | GEOGRAPHY

अपवाह तंत्र

अध्याय-3 | भाग-2

एकदम BASIC से!



missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

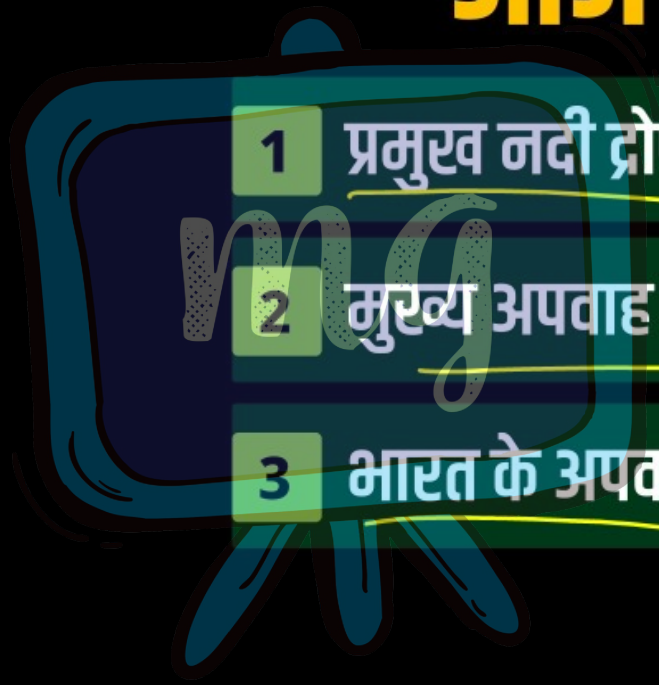

1. प्रमुख नदी द्रोणी
2. मुख्य अपवाह प्रतिरूप
3. भारत के अपवाह तंत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर अपवाह क्षेत्र

जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को तीन भागों में बाँटा गया है :

वृहद

प्रमुख नदी द्रोणी	मध्यम नदी द्रोणी	लघु नदी द्रोणी
20000 $K.m^2$ +	2000 to 20,000 $K.m^2$	2000 $K.m^2$ कम

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



प्रमुख नदी द्रोणी

- अपवाह क्षेत्र 20,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक
- 14 नदी द्रोणियाँ
- गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, तापी, नर्मदा, माही, पेन्नार, साबरमती, बराक

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मध्यम नदी द्रोणी



अपवाह क्षेत्र 2,000 से 20,000 वर्ग किलोमीटर

44 नदी द्रोणियाँ

कालिंदी, पेरियार, मेघना

2000 to 20000

केरल

ब्रह्मपुत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

लघु नदी द्रोणी

- अपवाह क्षेत्र 2.000 वर्ग किलोमीटर से कम।
- इसमें न्यून वर्षा के क्षेत्रों में बहने वाली बहुत सी नदियाँ शामिल हैं।

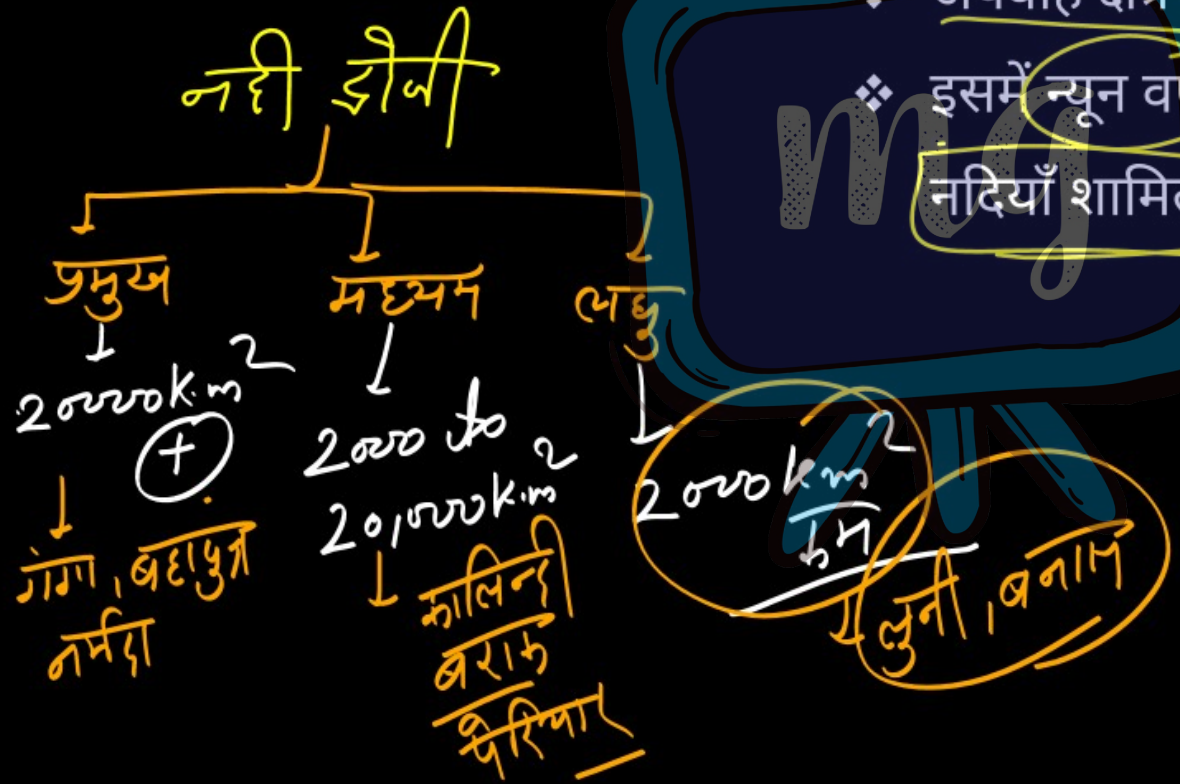

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य अपवाह प्रतिरूप

वृक्षाकार प्रतिरूप

- पेड़ की शाखाओं के अनुरूप
- उदाहरण – उत्तरी मैदान की नदियाँ



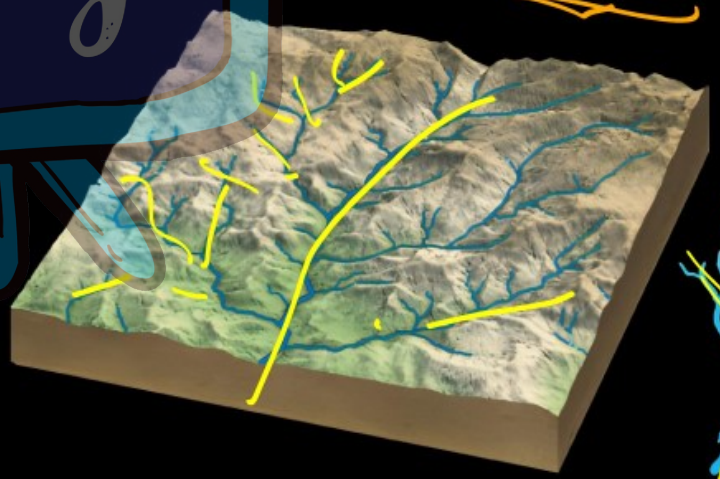



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



अरीय (Radial) प्रतिरूप

- नदियाँ किसी पर्वत से निकलकर सभी दिशाओं में प्रवाहित
- उदाहरण - अमरकंटक पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली नदियाँ



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जालीनुमा (Trellis) अपवाह प्रतिरूप

- मुख्य नदियाँ एक-दूसरे के समांतर प्रवाहित
- सहायक नदियाँ उनसे समकोण पर मिलती हों,

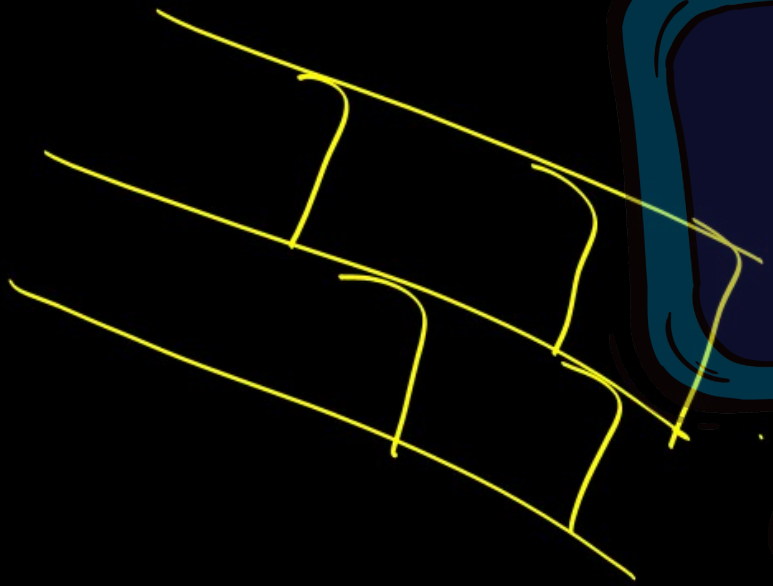

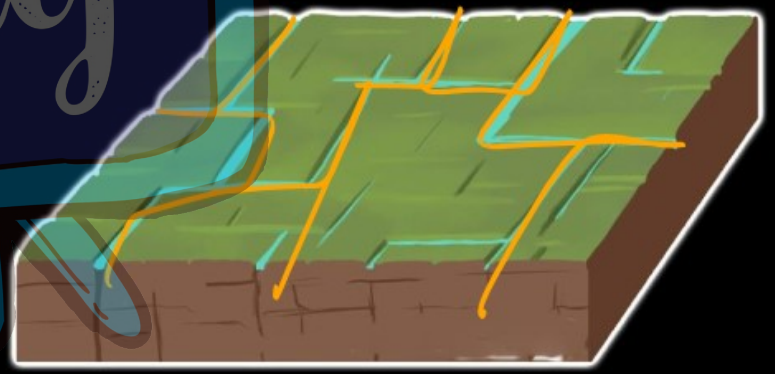

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभिकेंद्री (Centripetal) प्रतिरूप

सभी दिशाओं से नदियाँ बहकर किसी झील या गर्त में विसर्जित



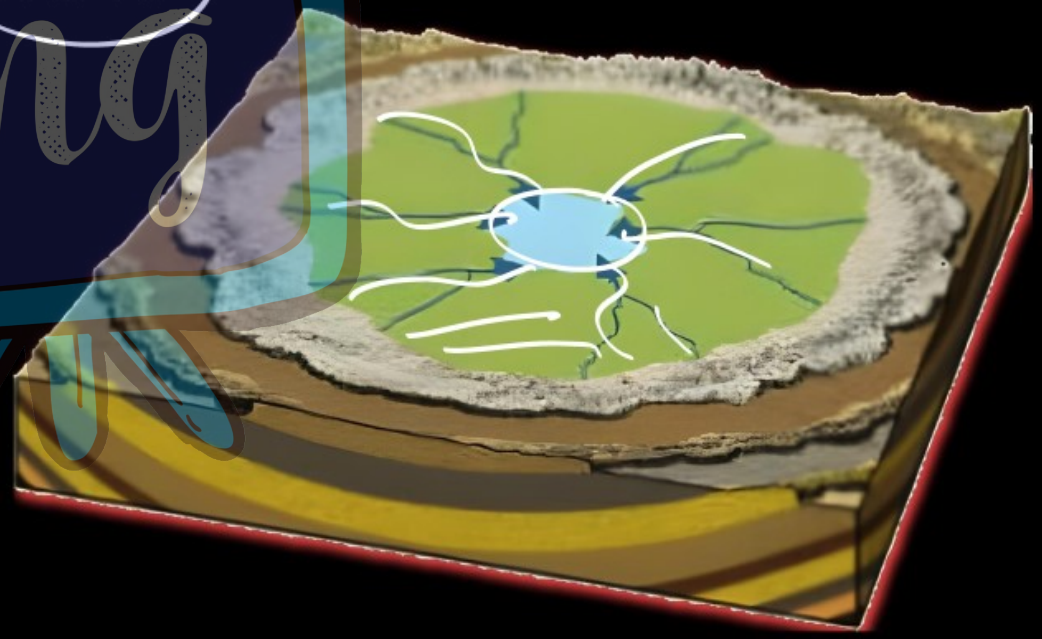

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रतिरूप

(1) वृक्षाकार

(2) अरीय

(3) जालीनुमा

(4) अभिकेन्द्रीय प्रतिरूप

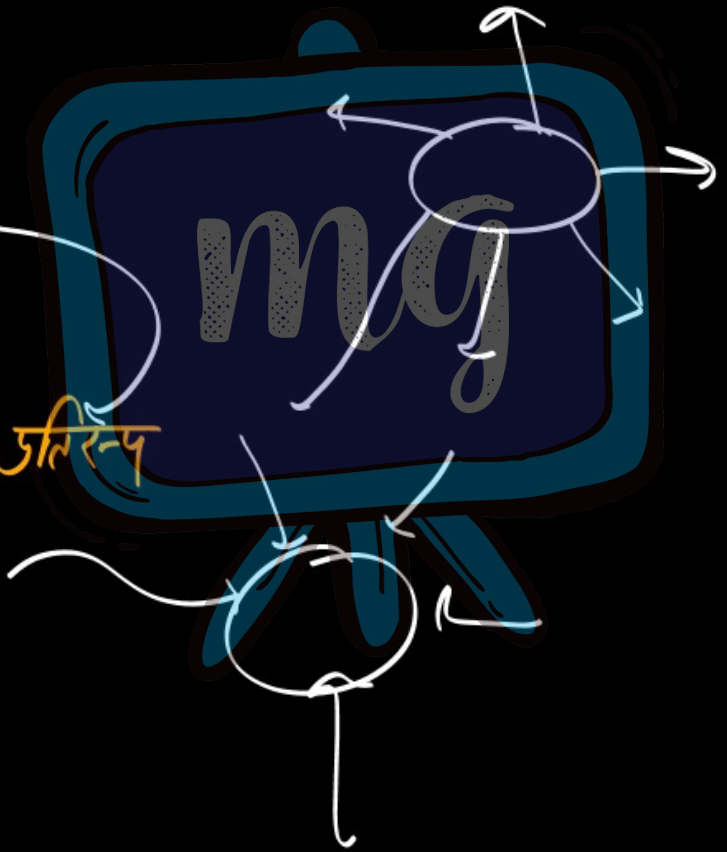

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नदियों के उद्गम स्त्रोत

हिमालय पर्वत

सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलुज, गंगा, यमुना, शारदा, घाघरा, गंडक, कोसी, ब्रह्मपुत्र

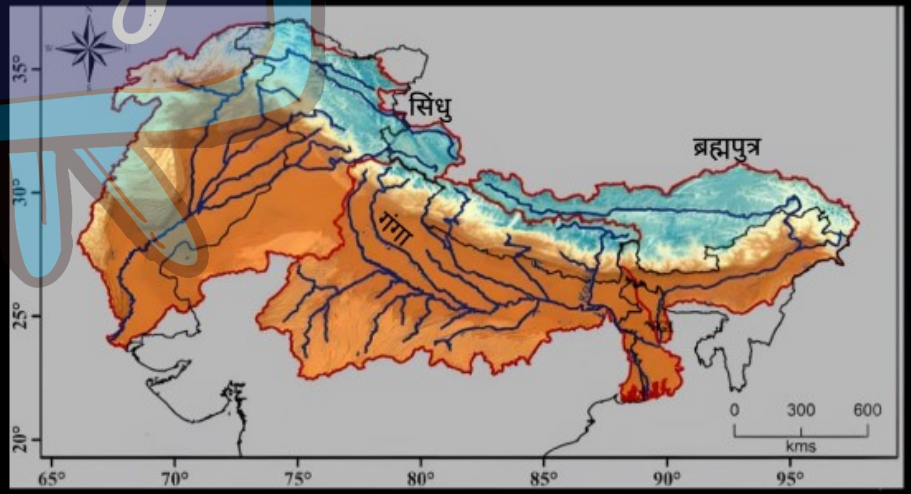

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



पश्चिमी घाट

- प्रायद्वीपीय पठार की बड़ी नदियों का उद्गम स्थल
- बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र की नदियाँ

नोट

नर्मदा व तापी दो बड़ी – प्रायद्वीपीय नदियाँ, इसका अपवाद है जो अपना जल अरब सागर में ले जाती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

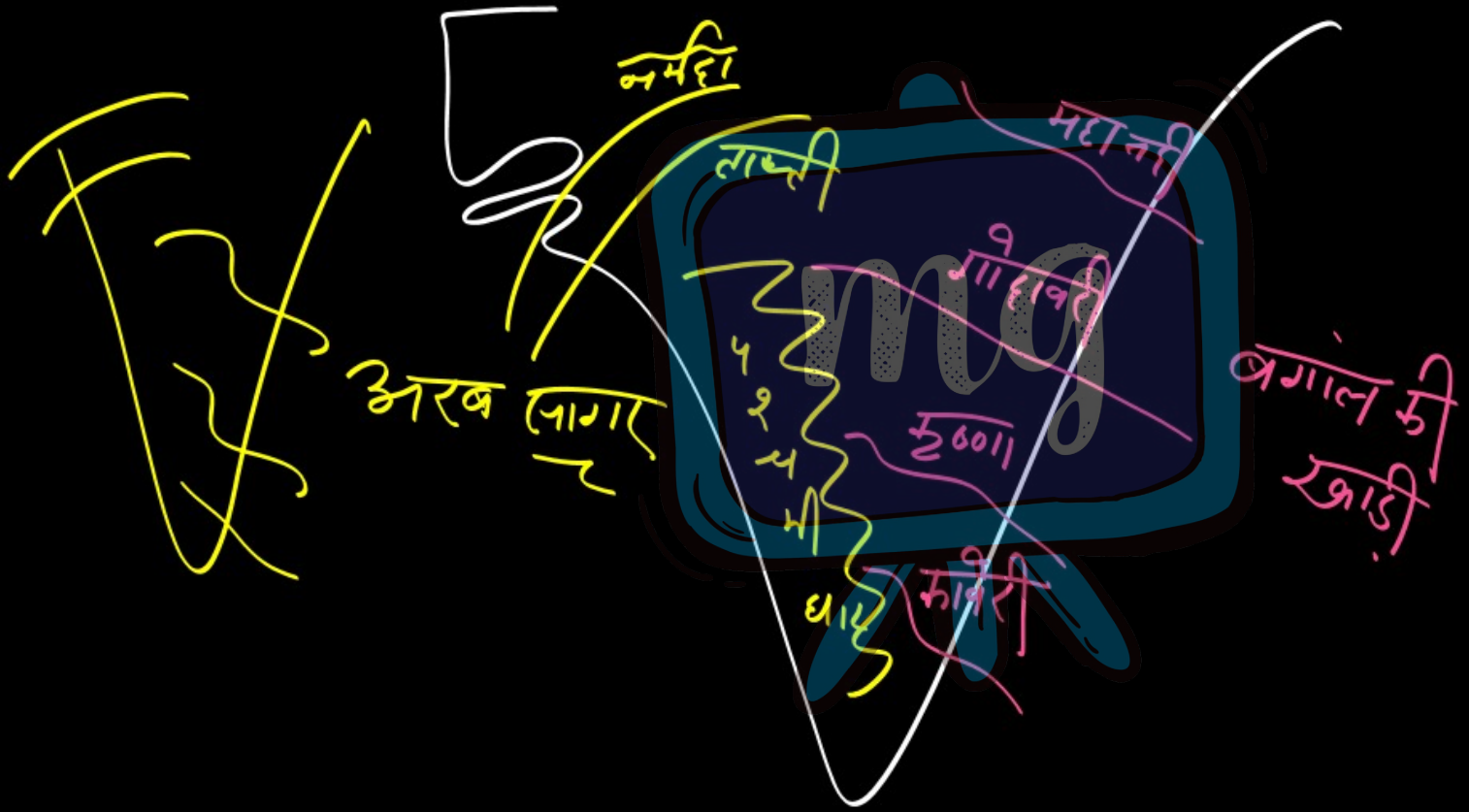

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

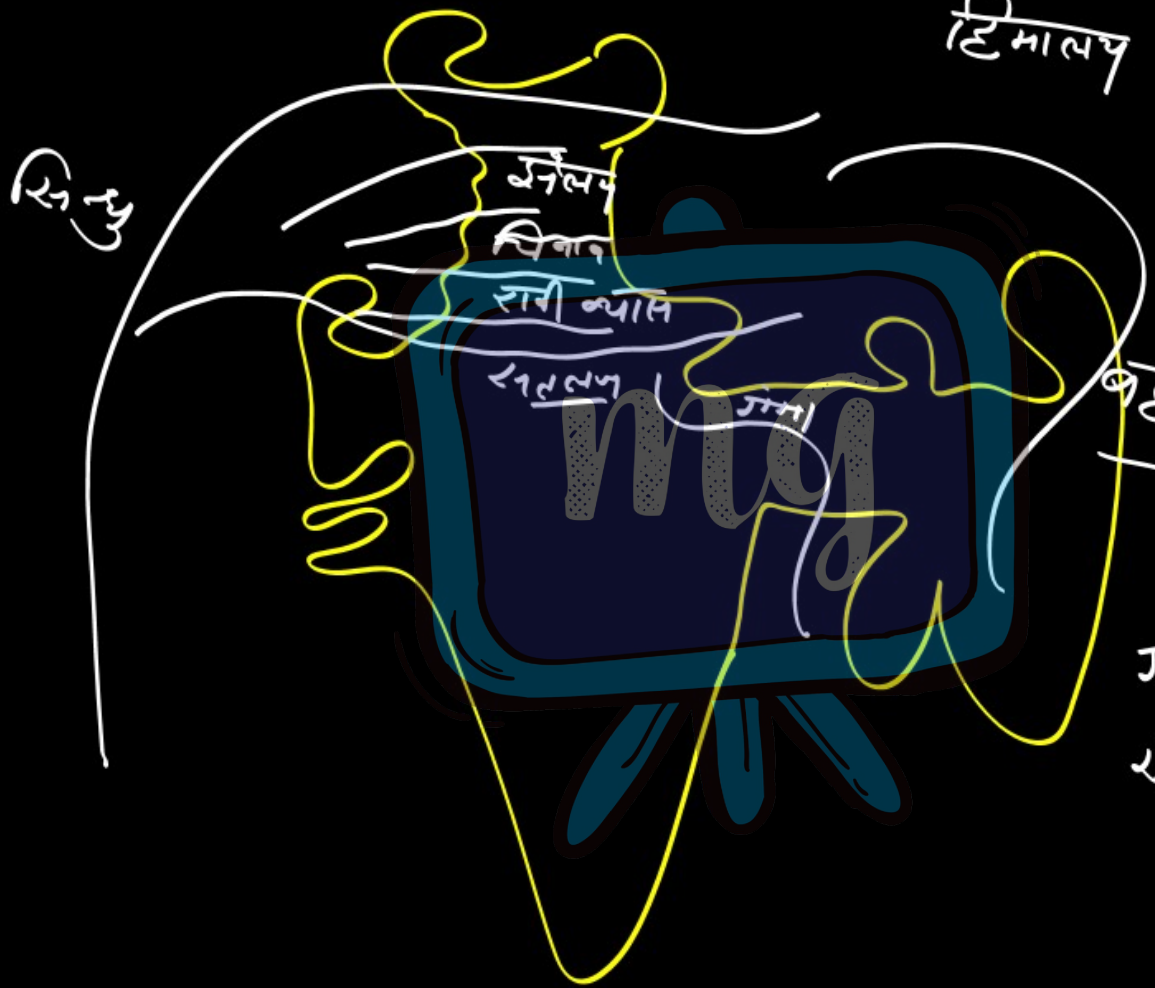

गंगा की सहायक –
रामगंगा। गोमती। गण्डक
घाघरा। कोसी। महानन्दा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारत के अपवाह तंत्र



उद्गम के प्रकार
प्रकृति व विशेषताओं
के आधार पर

1. हिमालयी अपवाह तंत्र
2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

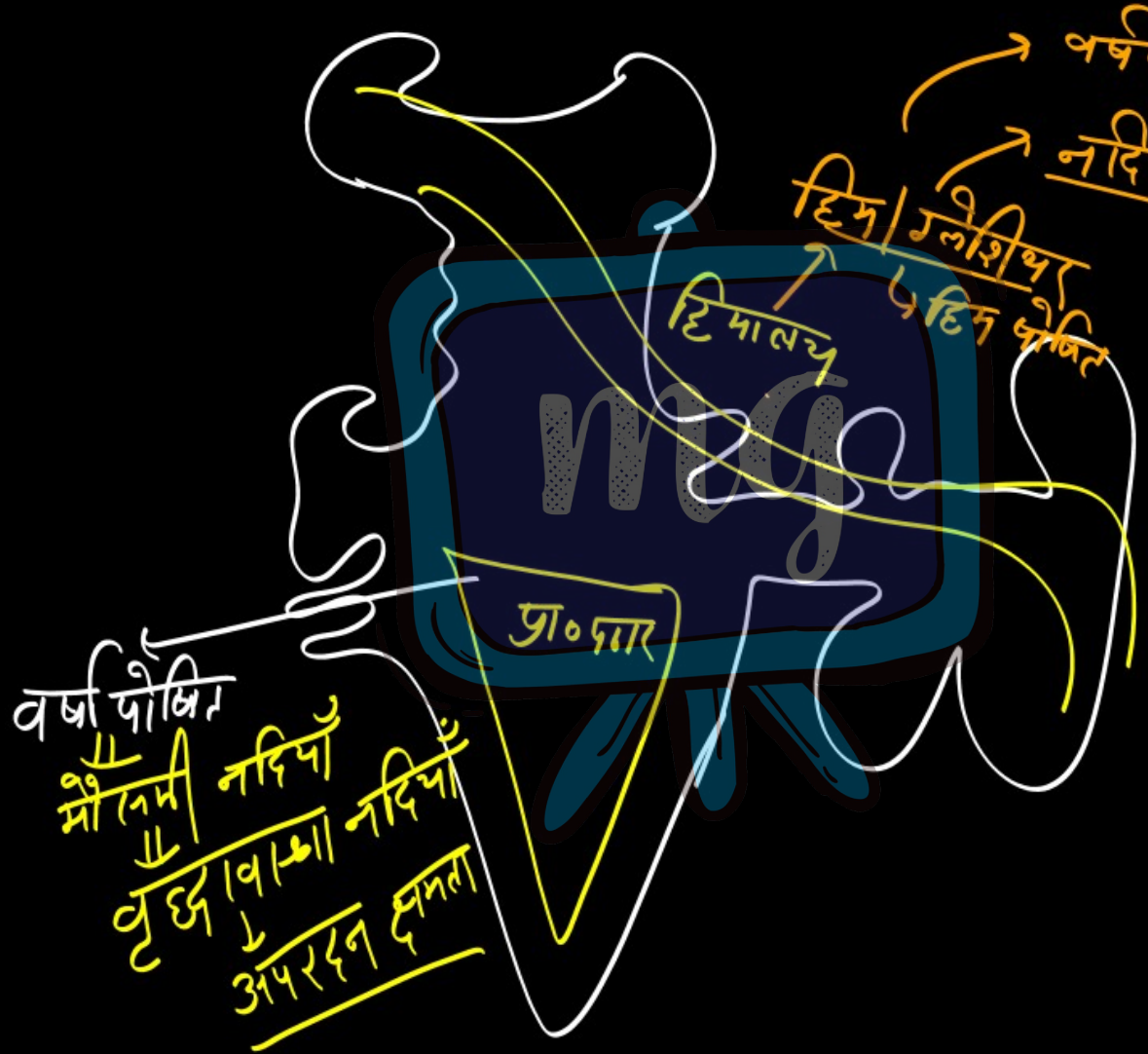

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नोट

चम्बल, बेतवा, सोन जैसी नदियों के वर्गीकरण में समस्या उत्पन्न होती है, क्योंकि उत्पत्ति और आयु में ये हिमालय से निकलने वाली नदियों से पुरानी है।

चम्बल, बेतवा
सोन → गंगा की सहायक नदी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

V आकार की घाटी का विस्तृत रूप गॉर्ज कहलाता है

हिमालयी अपवाह तंत्र

- हिमालयी अपवाह तंत्र भूगर्भिक इतिहास के एक लंबे दौर में विकसित हुआ।
- मुख्यतः गंगा, सिंधु व ब्रह्मपुत्र नदी द्रोणियाँ नदियाँ बारहमासी हैं, क्योंकि ये बर्फ़ पिघलने व वर्षण दोनों पर निर्भर गहरे महाखड्डों (Gorges) से गुजरती हैं।

प्राचीन

हिमवाहिनी

वर्षवाहिनी

V घाटी

गॉर्ज

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अपरदनात्मक स्थलाकृतियाँ

- महाखड्ड ,V-आकार की घाटियाँ, क्षिप्रिकाएँ व जलप्रपात

निक्षेपणात्मक स्थलाकृतियाँ

- समतल घाटियाँ, गोखुर झीलें, बाढ़कृत मैदान, गुंफित वाहिकाएँ, डेल्टा

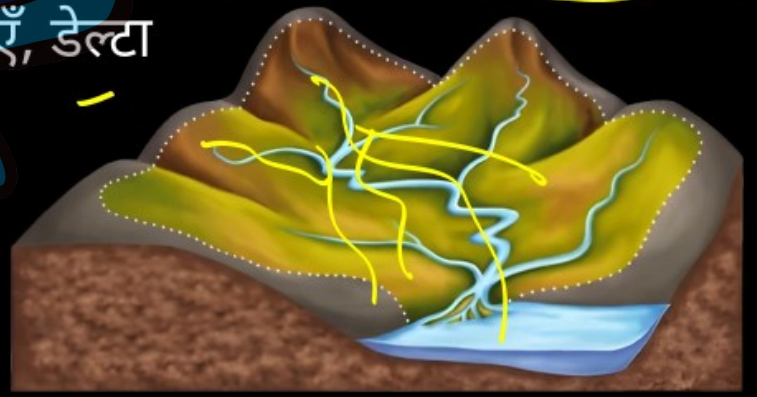

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

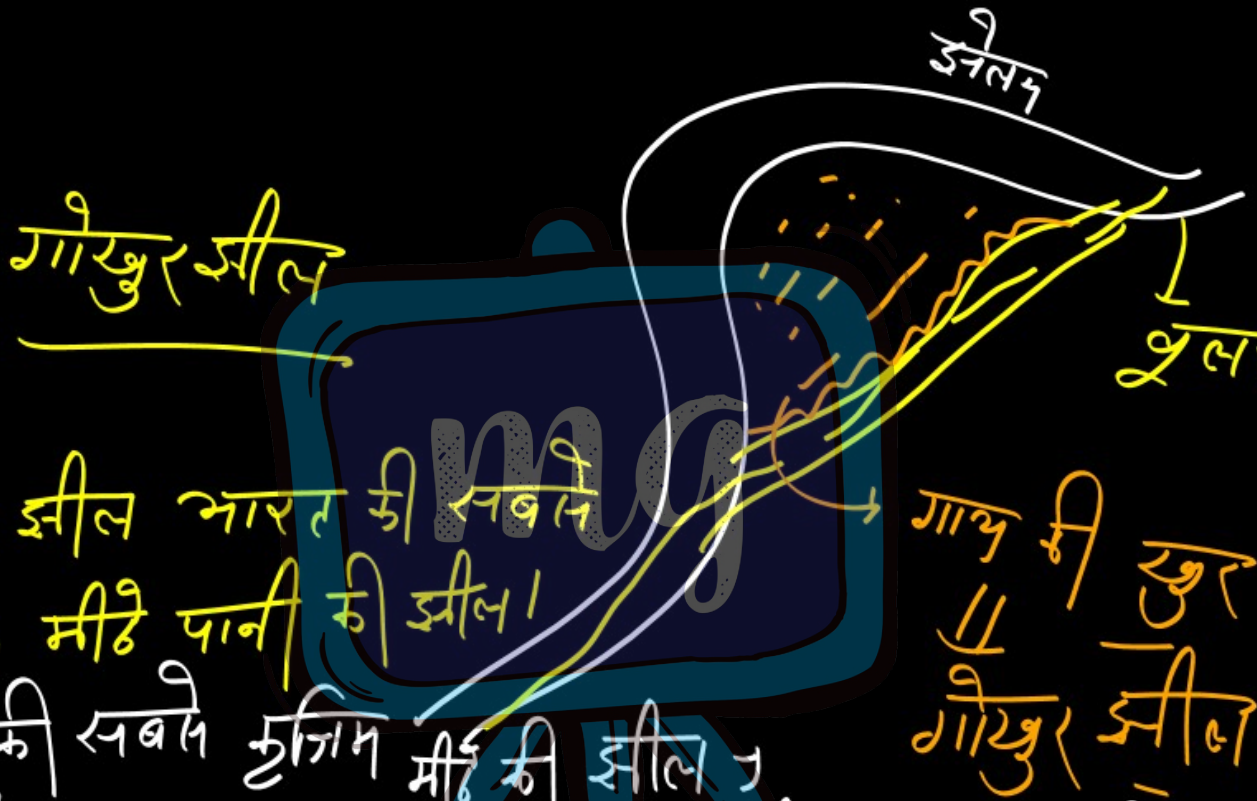

→ वुलर झील भारत की सबसे
जाकृतिक मीठे पानी की झील।

→ भारत की सबसे कृत्रिम मीठे की झील →
↳ (सतलज नदी) गोविन्द सागर झील (हिमाचल प्रदेश + पंजाब)

गाय की खुर की आकृति
=
गोखुर झील

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

